SECONDARY SCHOOL EXAMINATION – 2024 (ANNUAL)

Model Set

Sub. Code – 124

MAITHILI (Opt.)

मैथिली (ऐच्छिक)

समयः 3 घंटे 15 मिनट | पूर्णांक–100

Time : 3 Hrs. 15 Minutes | **Full Marks : 100**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
6. खण्ड–अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। 50 प्रश्नों से अधिक प्रश्नों के उत्तर देने पर प्रथम 50 का ही मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका सही उत्तर को उपलब्ध कराये गये OMR उत्तर–पत्रक में दिये गये सही विकल्प को काले/नीले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर–पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।

7. खण्ड–ब में 6 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं ?

8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

खण्ड–अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 सँ 100 धरिक प्रत्येक प्रश्नक चारि–चारि विकल्प (A, B, C, D) देल गेल अछि, जाहिमे एक सही अछि। सही विकल्प चुनि कय OMR शीटमे भरू। उक्तमे कोनो 50 प्रश्नक उत्तर दिअ। ***50x1=50***

1. 'युगधर्म'क रचयिता छथि,

   (A) वैद्यनाथमिश्र 'यात्री' (B) मार्कण्डेय प्रवासी

   (C) उदयचन्द्रझा 'विनोद' (D) मेनका मल्लिक

2. 'माटिक दीप रचना छनिः

   (A) नरेन्द्र झाक (B) आरसीप्रसाद सिंहक

   (C) देवकान्त झाक (D) भाग्यनारायण झाक

3. 'पियामोर बालक, हम तरूणी गे'

   कोन तप चुकलहुँ, भेलहुँ जननी गे।' – ई गीतांश छनि

   (A) वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'क (B) विद्यापतिक

   (C) सुधांशु 'शेखर' चौधरीक (D) आरसी प्रसाद सिंहक

4. पितृ सत्तात्मक परिवारमे मुखर होइत छल

   (A) पुरुष (B) स्त्री

   (C) पुरुष एवं स्त्री–दुनू (D) उक्तमे कोनो नहि

5. 'प्राचीन शब्दक विपरीतार्थक शब्द होइछ

   (A) पुरान (B) अर्वाचीन

(C) नवीन (D) आधुनिक

6. 'बामा हाथें खेल' केर अर्थ होइछ

(A) बामा हाथें खेलब (B) सुलभ कार्य

(C) बामा हाथक करिश्मा (D) खेलजे बामा हाथे खेलल जाय

7. साग खाकऽ रहनिहार, कहबैछ

(A) शाकाहारी (B) सागभक्षी

(C) वैष्णव (D) भक्त

8. 'सौजन्यता' शब्दक शुद्ध रूप अछि

(A) सुजनता (B) सौजन्य

(C) सुजन्य (D) (A) आ (B) दुनू

9. 'आस्तिक' शब्दक विपरीतार्थक शब्द होइछ

(A) अधर्मी (B) धर्महीन

(C) पापी (D) नास्तिक

10. 'सिंह' शब्दक स्त्रीलिंग रूप होइछ

(A) सिंही (B) सिंहाइन

(C) सिंहनी (D) सिंहिनी

11. 'नाटकातं कवित्वं' कहल गेल अछि

(A) कविता लेल (B) नाटक लेल

(C) महाकाव्य लेल (D) समीक्षा लेल

12. वैद्यनाथमिश्र 'यात्री'क जन्म भेल रहनि

(A) 1910 ई0 मे (B) 1911 ई0 मे

(C) 1912 ई0 मे (D) 1913 ई0 मे

13. 'अगस्त्यायनी' महाकाव्यक रचयिता छथि

(A) वैद्यनाथमिश्र 'यात्री' (B) मार्कण्डेय प्रवासी

(C) नवीनचन्द्र मिश्र (D) मेनका मल्लिक

14. 'भूत सवार होयब' केर अर्थ होइछ

(A) भूतक सवारी करब (B) उद्यत होयब

(C) भूत लागब (D) भूतसँ डर लागब

15. पाठ्यांशक अनुसार प्राचीन काल मे बेटी जे ताड़ जकाँ बढ़ैत छलि, चिंताक विषय होइत छल

(A) समाज लेल (B) भाइ लेल

(C) पिता लेल (D) माय लेल

16. 'समदाउनि गीत गाओल जाइत अछि

(A) पूत्रबधूकेँ अएबा काल (B) पूत्रबधूक जएबा काल

(C) बेटीक अएबा काल (D) बेटीक द्विरागमनमे विदाकाल

17. 'बूढ़ वर' पात्र अछि

(A) वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'क (B) हरिमोहन झाक

(C) विद्यापतिक (D) चन्दा झाक

18. 'यात्री'जीक उपन्यास थिक

(A) पारो (B) बलचनमा

(C) नवतुरिया (D) उक्त तीनू

19. 'चौराहा' शब्द समास भेदक अन्तर्गत अबैछ

(A) कर्मधारय (B) द्विगु

(C) द्वन्द्व (D) बहुब्रीहि

20. 'दशानन' (रावण) शब्दमे समास अछि

(A) बहुब्रीहि (B) द्वन्द्व

(C) कर्मधारय (D) नञ

21. 'यात्री' रचित 'पत्रहीन नग्न गाछ' थिक

(A) उपन्यास (B) कथा–संग्रह

(C) कविता–संग्रह (D) निबंध संकलन

22. 'बुच्ची दाइ'' प्रशंसित पात्र छलीह

(A) हरिमोहन झाक (B) 'यात्री'क

(C) विद्यापतिक (D) राजकमल चौधरीक

23. 'सनातन मानव'क लेखक छथि

(A) आरसी प्रसाद सिंह (B) बिलट पासवान 'बिहंगम'

(C) भाग्यनारायण झा (D) उदयचन्द्र झा 'विनोद'

24. 'ओ' हमरा किछु कहलनिमे 'ओ' उदाहरण थिक

(A) उत्तम पुरुष सर्वनामक (B) मध्यम पुरुष सर्वनामक

(C) अन्य पुरुष सर्वनामक (D) निश्चय वाचक सर्वनामक

25. 'जकरे धनः तकरे जन' एहिठाम 'जकरे–तकरे' उदाहरण अछि

(A) निजवाचक सर्वनामक (B) अनिश्चयवाचक सर्वनामक

(C) सम्बन्धवाचक सर्वनामक (D) प्रश्नवाचक सर्वनामक

26. 'लालटेन' शब्द भेदक अन्तर्गत अबैछ

(A) तत्सम (B) तद्भव

(C) देशज (D) विदेशज

27. 'काठ' कथा –संग्रहक लेखक छथि

(A) बासुकीनाथ झा (B) विभूति आनन्द

(C) भग्यनारायण झा (D) नरेन्द्र झा

28. 'गाम सुनगैत' नामक पुस्तक साहित्यक विधाक अन्तर्गत अबैछ

(A) कथा (B) नाटक

(C) उपन्यास (D) महाकाव्य

29. 'तित्तिरदाइ' साहित्यक विधाक अन्तर्गत अछि

(A) नाटक (B) उपन्यास

(C) कथा (D) गीत

30. 'भूकम्प हौक, वरु फटौ धरती

माँ मिथिला रहियेकऽ की करती' – ई पाँती अछि

(A) आरसी प्रसाद सिंहक (B) 'यात्री'क

(A) हरिमोहन झाक (D) मेनका मल्लिकक

31. 'जकर उपमा नहि हो' कहाइत अछि

(A) अनुपम (B) अनुपमेय

(C) उपमेय (D) उपमान

32. 'सकुशलपूर्वक' शब्दक सही रूप होइछ

(A) सकुशल (B) कुशलपूर्वक

(C) कुशलापेक्षी (D) (A) आ (B) दुनू

33. 'ठाकुर' शब्दक अर्थ होइछ

(A) देवता (B) ठक

(C) ठग (D) उक्त तीनू

34. 'चन्द्रमा' शब्दक पर्यायवाची अछि

(A) चन्द्र (B) इन्दु

(C) शशि (D) उक्त तीनू

35. भाग्य नारायण झा निवासी छलाह

(A) कारजक (B) टेकटारिक

(C) पिण्डारूछक (D) मनीगाछीक

36. 'विद्यापतिक काव्यालोचन'क रयचिता छथि

(A) बासुकीनाथ झा (B) आरसी प्रसाद सिंह

(C) नरेन्द्र झा (D) मेनका मल्लिक

37. 'कथा कल्पक' रचनाकार छथि

(A) बासुकीनाथ झा (B) मार्कण्डेय प्रवासी

(C) नरेन्द्र झा (D) देवकान्त झा

38. प्रशिक्षु लोकक सेवा जर्मनी लैत अछि

(A) फ्रांससँ (B) ग्रीससँ

(C) स्पेनससँ (D) उक्त तीनूसँ

39. 'झामलालक झामा' नामक व्यंग्यक रचनाकार छथि

(A) हरिमोहन झा (B) मार्कण्डेय प्रवासी

(C) यात्री (D) नवीनचन्द मिश्र

40. 'मोकदमा' शब्द उदाहरण थिक

(A) तत्समक (B) तद्भवक

(C) देशजक (D) विदेशजक

41. कोनो नामक बदलामे प्रयुक्त शब्द कहाइछ

(A) संज्ञा (B) सर्वनाम

(C) विशेषण (D) अव्यय

42. 'हम किताब पढ़ब' मे 'पढ़ब' थिक

(A) संज्ञा (B) विशेषण

(C) क्रिया (D) अव्यय

43. 'स्नानागार' शब्द थिक

(A) रुढ़ि (B) यौगिक

(C) योगरुढ़ि (D) विशेषण

44. 'त' आ 'थ' वर्णक उच्चारण स्थान थिक

(A) कण्ठ (B) ओष्ठ

(C) दन्त (D) तालु

45. मार्कण्डेय प्रवासीकेँ साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटलनि

(A) 'कालिदास' उपन्यास पर (B) 'कविता बोलती है' पर

(C) 'तदर्थ' पर (D) 'अगस्त्यायनी' पर

46. 'मिथीला पेंटिंग' नामक पुस्तक रचना कए पहिले–पहिल एहि कला कें मान्यता प्रदान करओलनि

(A) उपेन्द्र महारथी (B) डब्ल्यू0 जी0 आर्चर

(C) ग्रए मेकुआद (D) पुपुन जयकर

47. 'मधुबनी पेंटिंग' नामक पुस्तक लिखने छथि

(A) उपेन्द्र ठाकुर (B) उपेन्द्र महारथी

(C) डब्ल्यू0 जी0 आर्चर (D) पुपुन जयकर

48. यात्रा वृत्तांतसँ सम्बन्धित पुस्तक अछि

(A) 'सोनक ममता' (B) 'मनोरथ'

(C) 'पहिली तारीख' (D) 'परदेश'

49. 'एरौत' प्रसिद्धि पओलक

(A) मार्कण्डेय प्रवासीसँ (B) आरसी प्रसाद सिंहसँ

(C) 'यात्री'सँ (D) 'विहंगम'सँ

50. मिथिलाक प्राचीन नायकमे प्रसिद्ध छलाह

(A) दीना भद्री (B) नैका बनिजारा

(C) सलहेस (D) उक्त तीनू

51. अन्तरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाक शुरुआत भेल रहय

(A) 1960 ई0 मे (B) 1965 ई0 मे

(C) 1970 ई0 मे (D) 1975 ई0 मे

52. 'पहाड़' शब्दक पर्यायवाची अछि

(A) पाषाण (B) उपल

(C) मेरु (D) पाहन

53. 'अति सर्वत्र वर्जयेत' केर अर्थ होइछ

(A) सीमाक बाहर काज नहि करक चाही (B) काज नहि करक चाही

(C) सीमाक अन्दर रही (D) काज हमेशा करक चाही

54. 'मुँहमे राम बगलमे छुरी' केर अर्थ होइछ

(A) कथनी आ करनीमे भेद (B) कथनीक अनुसार करनी

(C) कर्तव्य करैत रहक चाही (D) रामक बगलमे छुरी रहैत छनि

55. 'परा' उपसर्गसँ बनल शब्द थिक

(A) पराक्रम (B) पराजय

(C) पराधीन (D) उक्त तीनू

56. 'वट' प्रत्ययसँ बनल शब्द थिक

(A) थकावट (B) वटवृक्ष

(C) मिलावट (D) (A) एवं (C) दुनू

57. अव्ययक भेद अछि

(A) दू (B) तीन

(C) चारि (D) पाँच

58. 'धन्यछी अहाँ जे मोहनकेँ तारि देल' एहिठाम 'धन्य' अव्यय अछि

(A) हर्षसूचक (B) विषादसूचक

(C) आश्चर्यसूचक (D) घृणासूचक

59. 'पक्ष' शब्दक अर्थ होइछ

(A) दिशि (B) पख

(C) भाग (D) उक्त तीनू

60. 'वहिस्कार' शब्दक शुद्ध रूप होइछ

(A) बहिष्कार (B) वहिष्कार

(C) बहिष्काड़ (D) बहीष्कार

61. 'चिन्नी' आ 'नोन' संज्ञाक उदाहरण थिक

(A) जातिवाचक (B) भाववाचक

(C) समूहवाचक (D) द्रव्यवाचक

62. 'ढ़' आ 'र' वर्णक उच्चारण स्थान थिक

(A) मुर्द्धा (B) तालु

(C) कण्ठ (D) ओष्ठ

63. 'सूर्यमुखी' पुस्तक साहित्यक विधाक अन्तर्गत अबैछ

(A) उपन्यास (B) नाटक

(C) कथा (D) कविता

64. आरसी प्रसाद सिंहक जन्म भेलनि

(A) 1910 ई0 मे (B) 1911 ई0 मे

(C) 1912 ई0 मे (D) 1913 ई0 मे

65. 'यात्री'जीक कविताक प्रथम सोपान थिक

(A) चित्रा (B) पत्रहीननग्न गाछ

(C) पृथ्वी ते पात्रं (D) बलचनमा

66. 'तिलकोर जकाँ चतरल, साहित्यक टाट पर' पाँती अछि

(A) 'फूलक नोर खसल' शीर्षकमे (B) 'युगधर्म' शीर्षकमे

(C) 'हमभेटब' शीर्षकमे (D) 'गामओ शहर' शीर्षकमे

67. उदय चन्द्र झा 'विनोद'क नाटक अछि

(A) 'उदास गाछक वसन्त' (B) 'प्रश्नवाचक'

(C) 'काँच' (D) 'एहना स्थिति मे'

68. 'अपक्ष' पुस्तक थिक

(A) कविताक (B) उपन्यासक

(C) नाटकक (D) कथाक

69. सर्वनामक भेद होइछ

(A) दू (B) तीन

(C) चारि (D) छओ

70. 'कत'ऽ जा रहल छी ?'मे 'कतऽ' उदाहरण अछि

(A) पुरुषवाचक सर्वनामक (B) सम्बन्धवाचक सर्वनामक

(C) प्रश्नवाचक सर्वनामक (D) अनिश्चयवाचक सर्वनामक

71. ''साग पर सन्तोष केर दर्शन हेरायल, ई पाँती लिखने छथि

(A) उदयचन्द्र झा 'विनोद' (B) वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'

(C) मार्कण्डेय प्रवासी (D) आरसी प्रसाद सिंह

72. आरसी प्रसाद लिखने छथि

(A) सनातन मानव (B) फूलक मोर खसल

(C) युग धर्म (D) आउ, बेटी–विमर्श करी

73. 'फूलक नोर खसल भुइयाँ पर, – पंक्ति छनि

(A) बिलट पासवान 'बिहंगम'क (B) आरसी प्रसाद सिंहक

(C) भाग्यनारायण झाक (D) नरेन्द्र झाक

74. 'बाट रे बटोहिया कि तुहू मोर भाइ

हमरो समाद नैहर नेने जाइ' – एहि पाँतीक रचनाकर छथि

(A) वैद्यनाथमिश्र 'यात्री' (B) आरसी प्रसाद सिंह

(C) विद्यापति (D) विलट पासवान 'विहंगम'

75. ज्ञान–उपासनाओ चिंतन कँ जन–जनधरि पहुँचओलनि

(A) जनक (B) याज्ञवल्क्य

(C) गौतम (D) उक्त तीनू

76. पाठ्य पुस्तकक अनुसार चण्डेश्वर ठाकुर भेलाह

(A) तेरहम शताब्दीमे (B) चौदहम शताब्दीमे

(C) पन्द्रहम शताब्दीमे (D) सोलहम शताब्दीमे

77. 'आयात' शब्दक विपरीतार्थक थिक

(A) निर्यात (B) आएब

(C) आनब (D) घुमायब

78. 'शिव' शब्दक पर्यायवाची होइछ

(A) महादेव (B) शंकर

(C) दिगम्बर (D) उक्त तीनू

79. 'सुरेशक भाइ महेश अछि' एहिमे उदाहरण अछि

(A) सम्बन्ध कारकक (B) कर्त्ताकारकक

(C) कर्मकारकक (D) सम्बोधन कारकक

80. 'क' प्रयुक्त होइछ

(A) सम्प्रदान कारकमे (B) सम्बोधन कारकमे

(C) सम्बन्ध कारकमे (D) कर्त्ता कारकमे

81. 'राजनीति रत्नाकर' नामक पुस्तक लिखने छथि

(A) चण्डेश्वर ठाकुर (B) विद्यापति ठाकुर

(C) वाचस्पति मिश्र (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर

82. 'गोल' शब्दसँ विशेषण बनैछ

(A) गोलाह (B) गोलाकार

(C) गोली (D) (A) आ (B) दुनू

83. 'भ्रम' शब्दसँ विशेषण बनैछ

(A) भ्रामक (B) भ्रमाह

(C) भ्रान्त (D) उक्त तीनू

84. 'सीबि आबी लगाबै छी नित्य चेफरी

व्यवस्था देशक बहुत जर्जर लगैए' – ई पंक्ति अछि

(A) 'हम भेटब' शीर्षकमे (B) 'अकाल' शीर्षकमे

(C) 'गाम आ शहर' शीर्षकमे (D) 'आउ, हम बेटी–विमर्श करी' शीर्षकमे

85. 'माथ झँपने पयर उद्यार, पयर झँपने माथ' – ई पाँती अछि

(A) 'अकाल' शीर्षकमे (B) 'युगाधर्म' शीर्षकमे

(C) 'सनातन मानव' शीर्षकमे (D) 'हम भेटब' शीर्षकमे

86. बिलट पासवान 'बिहंगम' लिखने छथि

(A) 'फूलक नोर खसल' (B) 'अकाल'

(C) 'सनातन मानव' (D) 'युग–धर्म'

87. विशेषणक भेद होइछ

(A) दू (B) तीन

(C) चारि (D) छओ

88. 'आकाशसँ पुष्पवृष्टि भेल, एहिठाम' 'आकाशसँ' भेल

(A) कर्मकारक (B) करणकारक

(C) सम्प्रदानकारक (D) आपादानकारक

89. 'गिरीन्द्र' शब्दक सन्धि–विच्छेद होइछ

(A) गि + इन्द्र (B) गिरि + इन्द्र

(C) गीर + ईन्द्र (C) गिरी + ईन्द्र

90. सु+आगत = स्वागत उदाहरण थिक

(A) यण् संधिक (B) दीर्घ संधिक

(C) वृद्धि संधिक (D) अयादि संधिक

91. निः + गुण = निर्गुण उदाहरण थिक

(A) दीर्घ संधिक (B) वृद्धि संधिक

(C) व्यंजन संधिक (D) विसर्ग संधिक

92. 'अस्सीमोन पानि परब' केर तात्पर्य होइछ

(A) हतोत्साहित होयब (B) पानिक प्रचुरता

(C) खूब पानि ढारब (D) पानिसँ खूब नहायब

93. 'अकाल' अनुदितक रचनाकार छथि

(A) मेनका मल्लिक (B) आरसी प्रसाद सिंह

(C) मार्कण्डेय प्रवासी (D) उदय चन्द्र झा 'विनोद'

94. ''धरतीक कौंढ़ करेज फटै छै

कॉपि रहल छै ..... हे।'' – एतय रिक्त स्थानमे होएत

(A) पात (B) फूल

(C) गाछ (D) गात

95. पाठ्य पुस्तकक अनुसार विशाल जनसंख्याक जीविकाक साधन अछि

(A) नौकरी (B) मजदूरी

(C) कृषि (D) व्यवसाय

96. 'यात्री'जीक कथा अछि

(A) नवतुरिया (B) पृथ्वीते पात्रं

(C) पत्रहीन नग्न गाछ (D) चित्रा

97. ''शहर–शहरमे फुजल–सिनेमा, क्यो नहि सुनय पुरान'' – ई पंक्ति आएल अछि

(A) 'हम भेटब' मे (B) 'गाम आ शहर'मे

(C) 'सनातन मानव'मे (D) 'युग–धर्म'मे

98. 'बीनू पढ़ैत रहत' उदाहरण अछि

(A) सामान्य भविष्यत कालक (B) अपूर्ण भविष्यत कालक

(C) पूर्ण भविष्यत कालक (D) उक्तमेसँ कोनो नहि

99. नरेन्द्र झा पेशासँ सम्बद्ध छलाह

(A) चार्टर्ड एकाउन्टेंट (B) प्राध्यापक

(C) व्यवसाय (D) सम्पादक

100. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक लिखल ग्रंथ अछि

(A) गीतगोविन्द (B) वर्णरत्नाकर

(C) कीर्तनियॉ नाटक (D) अंकियानाट

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखितमे कोनो **एक** विषय पर निबन्ध लिखू : ***1x10=10***

(क) दुर्गापूजा

(ख) विद्यापति

(ग) अनुशासन

(घ) सह–शिक्षा

(ङ) बाढ़ि

2. निम्नलिखितमे कोनो **एक** प्रश्नक उत्तर दिअ : ***1x7=7***

(क) प्रधानमंत्रीक स्वच्छता अभियानकेँ सफल बनएबा लेल अपन पंचायतक मुखियाकेँ पत्र लिखू।

(ख) तीन दिनक छुट्टी लेल प्रधानाध्यापककेँ आवेदन करू।

3. उपयुक्त शीर्षक दैत निम्नलिखितमे कोनो दू उद्धरणक संक्षेपण करू ***2x4=8***

(क) साहित्यकेँ समाजक दर्पण कहल गेल अछि। यथार्थतः सामाजिक जीव मनुष्यक हृदयक घात–प्रतिघातक, आशा–आकांक्षाक जेहन मार्मिक चित्रण तत्कालीन साहित्यमे उपलब्ध हेाइछ, तेहन अन्यत्र नहि। कहल गेल अछि – इतिहासकेँ छोड़ि सम वस्तु फूसि अछि। अंगरेजीमे एकटा उक्ति अछि–जकर सारांश ईअछि जे–घीया–पूता जहिना आइ खेलाइत अछि तहिना मिल्टनक समयमे सेहो खेलाइत छल। परिस्थिति परिपार्श्वक भेदेँ मनुष्यक व्यवहारमे अन्तर पड़ैछ किन्तु ओकर नैसर्गिक स्वभावमे कोनो अन्तर नहि आओत।

(ख) बेटीक मादे अपन समाजमे एक बहुत पुरान लोकोक्ति सुनल जाइत छल–बेटी ताड़ जकाँ बढ़ि गेलैए। ई ताड़ जकाँ बढ़ब पिताक लेल चिंताक विषय होइत छल। चिंता एहिलेल जे आब विवाह करबऽ पड़त। आइ ओहि लोकोक्तिक अर्थ बदलि गेल छैक। बेटी ठीके ताड़ जकॉ बढ़ि रहलैए अर्थात् ओकरामे अपन होयबाक बोध जन्म तऽ लेलकैए। ओ अहूसँ तेजीसँ आत्मनिर्भरता दिशि डेग उसाहि रहलैए। तैं जे समाज काल्हि धरि बेटीकेँ बलाय मानि ओकरा संग अपनो हकन्न कनबा लेल अभिशप्त छल। आइ से बेटी आयक एक प्रमुख कारण बनि घर–परिवारसँ लऽ कऽ देशक विकास धरिमे अपन महती भूमिकाकेँ रेखांकित कऽ रहलि अछि।

(ग) छात्र, समाज आ देश ओतबए नहि राष्ट्रक उत्थान हेतु भावी कर्णधार थिकाह। हुनकालोकनिक जीवनक विकास मुख्यतया छात्रावासहिमे होइछ। अतएव एकर महत्त्व महान अछि, परंच एकर कुप्रबंधसँ कोनहु व्यक्तिक विकास विकृत भय जाइछ। तैं उचित थिक जे एहि निवासक सुव्यवस्था लेल सभ सावधान रहय। एहि कार्य लेल विद्यालयक हितकारी अधिकारी, छात्रक अभिभावक तथा सरकार सभहिक सहयोगक आवश्यक थिक। छात्रावास लेल उपयुक्त अधीक्षकक नियुक्ति आवश्यक होइछ। छात्रावासक अधीक्षकक सुव्यवस्थित संचालनसँ छात्रावासक छात्रक सर्वांगीण विकास सम्भव होइक आ जीवनोद्देश्यक पूर्तिमे सफलता आनि सकय।

(घ) भारत एक प्रजातांत्रिक देश अछि। एहि ठाम राष्ट्रपति आ प्रधानमंत्रीक सीधा चुनाव नहि होइत छैक,। सर्वप्रथम जनप्रतिनिधिक चुनाव हेाइछ। भारत एहन विशाल देशमे चुनाव लेल चुनाव क्षेत्र निर्धारित कय देल गेल अछि। मतदाताक

सूची तैआर कयल जाइछ। जनताकेँ ओकर सूचना देल जाइछ। निश्चित समय धरि ओकर त्रुटिक सुधार कयल जाइछ। ओहि सुधरल आ सही मतदाताक सूचीक आधार पर चुनाव कराओल जाइछ।

4. निम्नलिखितमे कोनो **एकटाक** आशय लिखू: ***5x1=5***

(क) देश चाहि तेँ बचाबी गाम के बन्धु
शहर थिक वाचाल तेँ बरबर करैए
शुद्ध जल शीतल हवा ओ बोल मधुरिम
सुलभ गामहि गाय केँ गोबर रहैए।

(ख) एकता एवं राष्ट्रीय शक्तिमे अकाट्य सम्बन्ध अछि। कोनो राष्ट्र तावत पर्यन्त परिपुष्ट नहि मानल जा सकैछ यावत धरि ओकर विविध अंगमे परस्पर ऐक्य–भाव नहि होइक। मनुक्खक जाति–धर्म, रंग, योग्यता आदि एक दोसरासँ भने भिन्न होइक, मुदा आन्तरिक एकता सन्निविष्ट रहबाक चाही।

5. निम्नलिखित लघुउत्तरीय प्रश्नमेसँ कोनो **पाँच** प्रश्नक उत्तर दिअ : ***5x2=10***

i. 'दोयम दर्जा'क की मतलब होइछ ?

ii. आइ भूमण्डलीकरणसँ कोन भाषाक उपेक्षा भेल अछि ?

iii. गरीब छात्र/छात्राक शिक्षालेल सरकारी कोनो दू योजनाक नाम लिखू।

iv. किसान किएक कुहरि रहल अछि ?

v. पनिभरनी सभपानि लाबऽ कोना जाइत अछि ?

vi. गामक कोनो दू विशेषताक उल्लेख करु।

vii. मानवताक के विरोधी अछि ? कोना ?

viii. आजुक युगमे वेद पुराण के सुनैत अछि ?

ix. 'अछि कविता कोइलीक बहिनपा' एकर भाव लिखू।

x. आइ बेटीक प्रति पुरान दृष्टिकोण बदलि रहलछैक, कोना ?

6. निम्नलिखित दीर्घोत्तरीय प्रश्नमे कोनो **दूटाक** उत्तर दिअ : ***2x5=10***

(i) राष्ट्रीय एकतामे साम्प्रदायिकता कोना बाधक थिक, स्पष्ट करु।

(ii) आजुक बेटी कोन तरहेँ आगू बढ़ि रहल अछि, तकर की कारण अछि ?

(iii) भारतीय कृषि मानसून पर निर्भर छैक, तकर दू परिणाम लिखू।

(iv) 'अकालक' दु:स्थितिक वर्णन कवि कोन तरहेँ कयलनि अछि ?

X X X